MAHARISHI UNIVERSITY OF MANAGEMENT AND TECHNOLOGY

MAHARISHI ROAD, MANGLA, BILASPUR (CHHATTISGHAR)-495001

FINAL EXAM : SEMESTER-III, SESSION 2020-21

COURSE –M A YOGA, PAPER – II, SUBJECT CODE MAYOGA116,

INTRODUCTION TO AYURVEDA

Max Marks : 70 **Min Pass Marks : 28**

निर्देश :– सभी प्रश्नों को हल करें।

प्रश्न 01 विकल्प की सहायता से प्रश्नों के उत्तर दीजिए ? 01X10=10

(i) आयुर्वेद में आयु और वेद से तात्पर्य है ?

(अ) जन्ममरण का ज्ञान (ब) निरोगगिता का ज्ञान

(स) जीवन का विज्ञान (द) उपरोक्त सभी

(ii) वातपित्त कफ को आयुर्वेद में किस नाम से जाना जाता है ?

(अ) दोष (ब) त्रिदोष (स) धातु (द) उपरोक्त कोई नही

(iii) धातु.....सहायक है ?

(अ) शरीर के निर्माण में (ब) शुद्धिकरण में

(स) रोगों से बचाव में (द) उपरोक्त सभी

(iv) धातु कितने प्रकार की होती है

(अ) चार (ब) सात (स) पांच (द) छः

(v) कौनसी ऋतु सर्व दोष प्रकोपक के नाम से जानी जाती है ?

(अ) ग्रीष्म (ब) शरद (स) बर्षा (द) उपरोक्त सभी

(vi) आयुर्वेद के अनुसार दोष सहायक होते हैं ?

(अ) कोशिका के निर्माण में (ब) ऊतकों के निर्माण में

(स) उपरोक्त दोनों (द) उपरोक्त सभी

(vii) आयुर्वेद के अनुसार प्रकृति के भेद हैं ?

(अ) गर्भ शरीर प्रकृति (ब) जाति शरीर प्रकृति

(स) उपरोक्त दोनों (द) उपरोक्त कोई नही

(viii) निम्नमें से किस औषधि के गुण कभी भी समाप्त नहीं होते ?

(अ) अजवाइन (ब) आंवला (स) आक (द) नीम

(ix) निम्न में से कौन सी जड़ी बूटी महिलाओं में पीसीओएस और कार्टीसोलहार्मोन को नियंत्रित करने में सहायक है ?

(अ) अश्वगंधा गिलोय (ब) आक गिलोय

(स) नीम अजवाइन (द) अदरक ग्वारपाठा

(x) मनसप्रकृति के कितने भेद हैं ?

(अ) चार (ब) सोलह (स) अटठारह (द) चौदह

प्रश्न 02 अति लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है कोई पांच प्रश्न हल कीजिए) 02X5=10

(i) पंच कर्म करने से पहले किये जाने वाले पूर्व कर्मों को बताइए ?

अथवा

पंचकर्म के अंगों के नामों का उल्लेख कीजिए ?

(ii) कोलाइटिस किस अंग को प्रभावित करता है स्पष्ट कीजिए ?

अथवा

अपामार्ग के 2 औषधीय प्रयोग बताइए ?

(iii) शरीर में रस धातु का कार्य स्पष्ट कीजिए ?

अथवा

मज्जा क्या है ? बतलाइए ?

(iv) धातु क्या है संक्षेप में वर्णन कीजिए ?

अथवा

मल के प्रकारोंको समझाइए ?

(v) मानव प्रकृति से क्या तात्पर्य है ?

अथवा

आंवले को अमृत फल क्यों कहा जाता है, स्पष्टकीजिए ?

प्रश्न0 3 लघु उत्तरीय प्रश्न 5x2=10

(i) पंचकर्म से आप क्या समझते हैं वर्णन कीजिए ?

(ii) अर्थराइटिस के प्रकारोंलक्षणकारण की विधिवतव्याख्या करें ?

(iii) आक के गुण धर्म बतलाते हुए औषधीय प्रयोग बताएं ?

(iv) उपधातु का विस्तृतवर्णनकीजिएं ?

(v) अवसाद एवं चिंता में अंतर स्पष्ट कीजिए ?

प्रश्न 04 **दीर्घ उत्तरीय प्रश्न** (प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है कोई 4 प्रश्न करने है) 10x4=40

प्र0 (a) धातु के प्रकारों का वर्णन करते हुए आयुर्वेद में धातुओं की भूमिका स्पष्ट कीजिए ?

प्र0 (b) तनाव के कारण लक्षण एवं प्रकार को विस्तार पूर्वक लिखिए ?

प्र0 (c) दोष एवं मल से आप क्या समझते हैं इनके प्रकार आदि की विस्तृत व्याख्या कीजिए ?

प्र0 (d) कमर दर्द एवं कोलाइटिस को समझाते हुए इन पर पंचकर्म के प्रभाव को स्पष्ट करें ?

प्र0 (e) आयुर्वेद को स्पष्ट करते हुए रोग निदान एवं परीक्षण के मुख्य सिद्धांतों की व्याख्या करें?

प्र0 (f) प्रकृति एवं देह प्रकृति मेंअंतर बताते हुए उनके प्रकार एवं विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ?

प्र0 (g) जड़ी बूटियां क्या है? और आई.बी.एस, सी.ए.डी, यू.बी.आई.टी.एस में प्रधान कर्म की भूमिका को सविस्तार समझाएं?

।

****